ISSN: 2454- 2695

साहित्य संहिता

Available at http://sahityasamhita.org/

Volume 01 Issue 02
March 2015

# हंसो हंसो खूब हंसों

**अभिजित कुमार शर्मा**

*हंसो हंसो खूब हंसों*

*हंसो और सब को हंसाओ*

*हँसाना ही हैं जीवन*

*हंसी हैं अनमोल धन*

*इसे तुम न गवाओं*

*हंसो और हंसाओ*

*जीवन में खुशिया लाओ*

*रहेगा स्वाथ्य तन-मन*

*बढ़ जायेगा जीवन*

*हंसी हैं मुफ्त दवा*

*इसे हर रोज लो*

*और बने रहो*

*हरदम जवां*